आकाशवाणी केन्द्र शिमला

02.10.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11.00 बजे

गांधी–शास्त्री श्रद्धाजंलि

समग्र देश आज राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की 156वीं जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर श्रद्धा–सुमन अर्पित कर रहा है। राजधानी दिल्ली में महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पर सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह महात्मा गांधी की स्माधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस बीच एक सोशल मीडिया पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधी जयंती, प्रिय बापू के असाधारण जीवन के प्रति कृतज्ञ होने का दिन है, जिनके आदर्शों ने मानव इतिहास की दिशा बदल दी।

इधर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शिमला के रिज मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। लालबहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर इन्होंने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर देश सहित प्रदेश भर में विभिन्न प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया जा रहा है।

दशहरा

विजय दशमी यानी दशहरा पर्व देश सहित प्रदेशभर में आज आस्था और उल्लास से मनाया जा रहा है। यह दिन नवरात्रि अनुष्ठान और दुर्गा पूजा के समापन तथा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज दिल्ली के माधवदास पार्क में दशहरा उत्सव में शामिल होंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज में शाम छह बजे रामलीला समिति द्वारा आयोजित पारंपरिक रावण दहन आयोजन में उपस्थित रहेंगे।

इस बीच अपनी अनूठी परम्परा के लिये देश–विदेश में मशहूर सप्ताह भर चलने वाला कुल्लू दशहरा आज भगवान श्री रघुनाथजी की रथ यात्रा के साथ शुरू होगा । राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल रथ यात्रा कार्यक्रम में भाग लेंगे और शाम के समय कुल्लू दशहरे का विधिवत उद्घाटन करेंगे। जबकि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू 8 अक्टूबर को दशहरा के समापन समारोह की अध्यक्षता करेंगे। प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा के चलते सांस्कृतिक संध्याओं में प्रदेश के लोक कलाकार, सांस्कृतिक दल, व स्थानीय कलाकार ही अपनी प्रस्तुतियां देंगे। दशहरा उत्सव समिति के द्वारा 332 देवी देवताओं को निमंत्रण भेजे गए हैं और जिला के दूर दराज इलाकों से देवी देवताओं का आगमन शुरू हो गया है।

बधाई

दशहरा पर्व पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने अपनी शुभकामनाएं दी हैं। इन नेताओं ने अपने संदेश में कहा यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उन्होंने कामना की कि साहस, विवेक और समर्पण हमेशा लोगों का मार्गदर्शन करते रहे।

जीएसटी हस्तनिर्मित वस्तुएँ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित जीएसटी बचत उत्सव, समाज के सभी वर्गों को लाभान्वित कर रहा है। इस महीने की 22 तारीख से लागू अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ये सुधार विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं पर कर की दर कम करके नागरिकों को काफी राहत प्रदान कर रहे हैं। आज हम हस्तनिर्मित उत्पादों पर जीएसटी कटौती पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहे हैं।

नए जीएसटी सुधारों के अंतर्गत सरकार ने हस्त निर्मित वस्तुओं पर कर में कटौती की है जिससे उपभोक्ताओं और कारीगरों को बड़ी राहत मिली है। सरकार ने कॉटन और जूट से बने पाउच और पर्स जैसे हस्त निर्मित बैग और आभूषण रखने वाले बक्सों पर जीएसटी की दर को 12: से घटाकर 5: कर दिया है। इसी प्रकार हस्त निर्मित शॉल, बनी हुई टोपी और सूती कपड़े की टोपी पर भी कर की दर को घटाकर 5: कर दिया गया है। कर में इस कटौती से हाथ से बने हुए सामान सस्ते हुए हैं जिससे इन वस्तुओं की मांग बढ़ने के साथ ही इनके निर्यात को भी बढ़ावा मिला है। इसके अतिरिक्त कारीगरों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने के साथ–साथ भारत के हस्तशिल्प क्षेत्र का भी विस्तार हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार के इस फैसले से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आजीविका को सहारा मिलने के साथ–साथ परंपरागत शिल्प और कारीगरी को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही सांस्कृतिक महत्व वाले यह उत्पाद लोगों को किफायती दाम पर आसानी से उपलब्ध होंगे।